हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 13 | अंक : 02 | लखनऊ, 14 दिसम्बर, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

आजमगढ़ में गरजे सीएमः संबोधन के दौरान बोले- ऐसा लगे नारा की दिल्ली तक पहुंचे आवाज; 2047 की दे डाली ये गारंटी

आजमगढ़। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि करीब दस वर्ष के अंदर देश में इतना परिवर्तन देखने को मिलेगा। आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बड़ा है। भारत संकल्प यात्रा के ऊपर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जिन लोगों को अभी तक नहीं मिल सका है, उन्हें उनका लाभ देने के लिए इस विकसित भारत यात्रा का आयोजन किया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का गुरुवार को आजमगढ़ पहुंचे। आजमगढ़ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन का शुभारंभ किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधन के दौरान कहा, कभी आजमगढ़ के नाम से कांपती थी पूरी दुनिया ऐसा लगे नारा की दिल्ली तक आवाज पहुंचे। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधन के दौरान उस समय कही जब उनके द्वारा लगाए गए नारे पर लोगों की धीमी आवाज रही।

उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि करीब दस वर्ष के अंदर देश में इतना परिवर्तन देखने को मिलेगा। आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बड़ा है। भारत संकल्प यात्रा के ऊपर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जिन लोगों को अभी तक नहीं मिल सका है, उन्हें उनका लाभ देने के लिए इस विकसित भारत यात्रा का आयोजन किया गया है। इसके लिए 536 वीडियो वाइन चल रही हैं। जो योजनाओं का लाभ पाने से वंचित लोगों का आवेदन कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। किसी ने नहीं सोचा था की चार करोड लोगों के घर बनेंगे। जिसमें 55 लाख घर सिर्फ उत्तर प्रदेश में बने हैं। 50 करोड लोगों का आयुष्मान कार्ड पूरे देश में बनाया गया है। जिसमें सिर्फ उत्तर प्रदेश में 10 करोड लोगों को इसका लाभ मिला है। अन्य योजना के तहत देश में 80 करोड लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। करोड़ों लोगों को प्रदेश में राशन मिल आजमगढ़ का भाग्योदय हुआ है कि भोजपुरी के एक अच्छे कलाकार को उन्होंने अपना सांसद चुना है तो जनपद में भी विकास दिखने लगा है।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष तक प्रदेश की जनता को मुफ्त राशन दिया जाएगा। कहा कि आजमगढ़ में कई विकास के कार्य किया जा रहे हैं जिसने कभी सोचा तक नहीं था। आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय बनाया जा रहा है, जिसका जनवरी 2024 में उद्घाटन किया जाएगा। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि आजमगढ़ में संगीत महाविद्यालय बनेगा। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि आजमगढ़ में एयरपोर्ट बनेगा लेकिन हमारी डबल इंजन की सरकार ने इसे कर दिखाया। सीएम ने कहा कि सबसे बड़ी जाति गरीब जाति है, उसे हर योजना का लाभ मिलना चाहिए। कहा कि आजमगढ़ में अब आतंक नहीं बल्कि सुंदर स्वर लहरिया गूंजेंगी।

अब बच्चों का बनेगा अपार कार्ड

बच्चों की पढ़ाई लिखाई का अपार कार्ड में रहेगा लेखा जोखा

लखनऊ (यूएनएस)। आधार कार्ड अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। राशन की दुकान से लेकर सिम कार्ड लेने तक में ये काम आता है। अब ऐसा ही एक और कार्ड सरकार आपके बच्चों के लिए बनाने जा रही है।ये आने वाले समय में उनकी स्कूल की पढ़ाई-लिखाई से लेकर कॉलेज में एडमिशन लेने और नौकरी ढूंढने तक में मदद करेगा। इसका नाम सरकार ने 'अपार आईडी कार्ड' रखा है।भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 'अपार आईडी कार्ड' बनाने की शुरुआत की है।ये देशभर में स्कूली छात्रों का पहचान पत्र होगा। इसे ' एक राष्ट्र, एक विद्यार्थी कार्ड' भी कहा जाता है।सरकार जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई है उसके हिसाब से ही 'अपार कार्ड' बनाना शुरू किया है। अपार कार्ड' का फुल फॉर्म 'ऑटोमेटेड परमानेंट अकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री' है। सरकार स्टूडेंट का 12 अंकों एक ऐसा आईडी कार्ड बनाएगी जो बचपन से लेकर उनकी पढ़ाई खत्म होने तक स्थायी रहेगा।उनके स्कूल बदलने पर भी उनकी 'अपार आईडी' एक ही रहेगी। ये उनके आधार कार्ड से अलग होगा और आपस में लिंक होगा। इसमें सभी जानकारी ऑटोमेटिक तरीके से अपडेट होती जाएगी।इसके लिए सरकार ने 'एकेडमिक बैंक ऑफक्रेडिट्स' लॉन्च किया है। ये शैक्षिक रजिस्ट्री की तरह काम करता है, इसे आप 'डिजिलॉकर' की तरह 'एडुलॉकर' भी समझ सकते हैं। अपार कार्ड' असल में एक छात्र की सभी तरह की जानकारी को डिजिटली स्टोर करेगा।इसमें उनकी पढ़ाई-लिखाई का सारा हिसाब-किताब होगा, जैसे कि बच्चों ने कितनी कक्षा तक पढ़ाई की है, उनको क्या-क्या इनाम मिला है, उनके पास कौन-कौन सी डिग्री है, उन्हें वजीफा यानि स्कॉलरशिप मिला है या नहीं, अगर मिला है तो कितना और कहां-कहां से मिला है, उनके किस कक्षा में कितने मार्क्स आए हैं, वगैरह-वगैरह सभी जानकारी इस कार्ड में डिजिटली ट्रांसफर होगी। 'अपार कार्ड' बनवाने के लिए विद्यार्थी के पास एक वैलिड आधार कार्ड होना जरूरी है। 'डिजिलॉकर' पर उसका अकाउंट होना भी जरूरी है। विद्यार्थी की ई-केवाईसी पूरी की जाएगी।

बाबा साहब ने दबे कुचले लोगों के हक के लिए आजीवन किया संघर्ष

लखनऊ (यूएनएस)। भारतरत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर निर्बल विकास जन कल्याण सेवा संस्थान के तत्वावधान में किला चौराहे के निकट बाबा साहब की प्रतिमा पर संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बाबा साहेब के जीवन और संघर्ष विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के महासचिव रमेश सिंह रवि ने की। इस अवसर पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माला अर्पण करते हुए महासचिव रमेश सिंह रवि ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के मौके पर कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में देश के दबे- कुचले लोगों के हक व सम्मान के लिए संघर्ष किया ।उन्होंने केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि पिछड़े, गरीबों, मजदूरों, किसानो, युवाओं, महिलाओं आदि सभी को सम्मान दिलाया। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के मन मस्तिष्क और समूचे जीवन दर्शन में भारतीय-भारतीयता व मानवता कूट-कूटकर भरी हुई थी। बाबा साहेब द्वारा बनाये गये संविधान के कारण ही देश में किसानों, नौजवानों, दलितों, पिछडो एवं महिलाओं को अपना अधिकार प्राप्त हुआ है और डॉक्टर अंबेडकर के सम्मान, राष्ट्रहित में किये गये योगदान को देशवासी सदैव याद रखेंगे। हम सबको बाबा साहब के अधूरे सपने को पूरा करने के लिए मतभेद भुलाकर करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

सम्पादकीय

इस चेतावनी को सुनना होगा

मंगलवार को संसद भवन के बाहर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पत्रकारों से चर्चा में दो-तीन मार्के की बातें कही हैं, जिन पर गौर फरमाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने पत्रकारों के जरिए एक बार फिर आम जनता के लिए संदेश दिया है कि कांग्रेस आने वाले वक्त में भी जाति जनगणना के मुद्दे को उठाती रहेगी। श्री गांधी ने कहा कि मूल मुद्दा जाति आधारित जनगणना है और लोगों का पैसा किसे मिल रहा है? वे (भाजपा) इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, वे इससे दूर भागते हैं। हम इस मुद्दे को आगे बढ़ाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि गरीबों को वह मिलता है जिसके वे हकदार हैं। गौरतलब है कि हाल में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में लगभग हर रैली में राहुल गांधी ने जाति जनगणना की बात की थी और साथ ही दावा किया था कि कांग्रेस की सरकार आने पर वह इसे अमल में लाएगी। तेलंगाना के अलावा कांग्रेस को किसी राज्य में जीत नहीं मिली, बल्कि उम्मीद के विपरीत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान भाजपा के पास चले गए। भाजपा जातिगत जनगणना के मुद्दे से बचती रही है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो यहां तक कह दिया था कि इस देश में केवल गरीबी ही जाति है और कोई जाति नहीं है। लेकिन जिस तरह छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में क्रमशरू विष्णु देव साय और मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद दिया गया है, उससे दिखाई दे रहा है कि भाजपा को अंततरू राहुल गांधी की लीक पर ही चलना पड़ा है। भाजपा इस बात को मानती है या नहीं, ये अलग बात है। संसद के बाहर राहुल गांधी ने दूसरी महत्वपूर्ण बात पं.नेहरू को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर की। गृहमंत्री अमित शाह ने पहले लोकसभा में और फिर सोमवार को राज्यसभा में भी जम्मू-कश्मीर को लेकर पं. नेहरू को निशाने पर लिया और उन पर गलतियों का ठीकरा फोड़ा। इसके बाद देश में इसी बात पर चर्चा होने लगी कि आजादी के बाद जब जम्मू-कश्मीर का बिलय देश में हुआ और पाकिस्तानी कबाइलियों को भारतीय सेना ने हरा कर भगा दिया, उस वक्त और क्या-क्या हुआ था, तब किस तरह के हालात थे। उस बारे में माउंटबेटन से लेकर सरदार पटेल और नेहरू से लेकर शेख अब्दुल्ला और राजा हरिसिंह की क्या भूमिकाएं थीं। किसकी गलती थी, किसकी नहीं, इस पर नयी बहस शुरु हो गई। ऐसी बहसें अगर स्वस्थ मानसिकता और निष्पक्षता से की जाएं, तब तो इनका लाभ है। मगर इस समय बहस नहीं होती, केवल दोषारोपण होता है और उसमें भी नेहरूजी पर ही लक्ष्य साधा जाता है। इन हालात में राहुल गांधी ने साफ कहा कि वे हमें इस मुद्दे (जाति जनगणना) से भटकाने के लिए जवाहरलाल नेहरू और अन्य के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा की नब्ज बिल्कुल सही जगह पर पकड़ी है। देश में इस वक्त जाति जनगणना वाकई एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि इसके जरिए ही सामाजिक न्याय के मकसद को पूरा किया जा सकता है। जब सामाजिक न्याय के लिए माहौल बनेगा, तब आर्थिक न्याय की प्रक्रिया भी अपने आप शुरु हो सकेगी। दरअसल ये सारी बातें एक-दूसरे पर ही आश्रित हैं और इसलिए राजनैतिक विमर्श में इनका केंद्र में रहना जरूरी है। संसद सत्रों के तमाम दिनों में इन पर अधिक से अधिक विचार-विमर्श होना चाहिए। लेकिन अभी आलम ये है कि संसद में की जा रही विवादास्पद बातें ही सुर्खियां बनती हैं। 140 करोड़ लोगों के लिए नियम-कानून बनाते वक्त सरकार कितनी देर और कितनी गंभीरता से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करती है, इसकी कोई खबर ही आम जनता को नहीं हो पाती। जब कोई कानून बन जाता है या रद्द हो जाता है, तभी लोगों को पता चलता है। ये बात लोकतंत्र के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं है। इसलिए राहुल गांधी ने ध्यान भटकाने वाली जो बात कही है, वो सटीक है। राहुल गांधी ने तीसरी टिप्पणी इतिहास में नेहरूजी की भूमिका को लेकर की। दरअसल पं.नेहरू पर राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि अगर असमय सीजफायर नहीं होता, तो आज पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर नहीं होता। हमारी सेना जीत रही थी वो भाग रहे थे। नेहरू दो दिन रुक जाते तो पूरा पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर तिरंगे के तले आ जाता। इतिहास के एक बेहद जटिल मुद्दे का यह अतिसरलीकरण है कि अगर दो दिन का इंतजार किया जाता तो आज पीओके ही नहीं होता। जिन नेहरू की बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता का लोहा दुनिया के बड़े नेता मानते रहे हैं, उन्हें भाजपा आला दर्जे के मूर्ख नेता की तरह प्रस्तुत कर रही है, और लोगों को यह बता रही है कि देश की समस्याओं के नेहरू जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी ने अमित शाह की इस टिप्पणी पर कहा कि श्पंडित नेहरू ने भारत के लिए अपनी जान दे दी, वह वर्षों तक जेल में रहे।

विश्वेश्वरैया जी के बाद महानतम भारतीय अभियंता

इं. हेमन्त कुमार फीना

नदियों का पानी नहर के अंदर मोड़ने के लिए वियर या बैराज बनाए जाते हैं। जैसे मेढ़ के कारण खेत में पानी की ऊँचाई आसपास के स्थान से उपर हो जाती है वैसे ही बैराज या वियर से नदी का पानी उपर उठ जाता है। उपर उठने के कारण ही पानी नहर में घुस पाता है। विदित हो कि नदी स्थानीय रूप से सबसे गहरे स्थान पर बहती है और नहर को अभियांत्रिकी संबंधी विभिन्न कारणों से सबसे ऊँचे स्थान पर बनाया जाता है। इस कारण नदी का पानी चाहे मात्रा में कितना ही अधिक क्यों न हो वह सामान्यतया खुद नहर में नहीं जा पाता।बैराज या वियर के पीछे स्थित उठे पानी में स्थैतिक ऊर्जा बढ़ जाती है जोकि संरचना को बहा ले जाने, पलट देने और इसके नीचे से अर्थात नींव की मिट्टी के अंदर जल धारा बनाने का प्रयास कराती है। मिट्टी के अंदर बहने वाली जल धारा अपने साथ मिट्टी के कणों को भी घोल कर ले जाती है जिससे नींव में कैविटी अर्थात पोलापन पैदा होने लगता है जिससे संरचना के नीचे धंसने और विफल होने की सम्भावना बहुत बढ़ जाती है। कुशल इंजीनियर इन सब बातों का ध्यान रखकर संरचना की माप और नींव की गहराई तय करता है। डिजाइन तैयार करने वाले इंजीनियर के लिए सबसे अधिक परेशानी नींव के अंदर से पानी के बहने की प्रवृत्ति जानना और उसका पक्का ईलाज करना होती है।

सन उन्नीस सौ पच्चीस तक वैज्ञानिक ब्लिघ के सिद्धांत द्वारा तय किया जाता था कि वियर या बैराज की नींव में पानी किस स्थान से होकर और कितनी ताकतध्वेगध्प्रेसर से बहेगा। ब्लिघ की मान्यता थी कि पानी वियर या बैराज की संरचना की आन्तरिक सतह(जिससे जमीन छूती है) से चिपककर और उसके नजदीकी क्षेत्र से बहता है। ब्लिघ के सिद्धान्त पर बनाए गए अनेकानेक वियर और बैराज सफल रहे।परन्तु कई संरचनाएँ विफल होने लगीं। शुरूआत में अभियंताओ और वैज्ञानिकों को इसका कारण समझ नहीं आया। इसी तरह उन्नीस सौ छब्बीस -सत्ताईस में ब्लिघ के सिद्धान्त के आधार पर अपर चेनाब कैनाल सायफन की ऊपरी संरचना उसकी नींव में पानी के बहाव के कारण गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने लगी तो इसकी जांच के लिए डॉ. अजुध्यानाथ खोसला को लगाया गया। डॉ. खोसला ने गहराई से अध्ययन किया और बताया कि इस सायफन की नींव में पानी उन स्थानों से तथा उस दबाव से नहीं बहता जैसा ब्लिघ के सिद्धांत के आधार पर इसे बनाया गया है। डॉ. खोसला ने वियर या बैराज या डैम की नींव में पानी बहने के रास्तों और उनमें स्थान-स्थान पर पानी के प्रेसर की मात्रा ज्ञात करने के नए सिद्धांत की खोज की जिसे खोसलाज थेयरी एंड कन्सैप्ट ऑफफ्लो नेट्स के नाम से जाना जाता है। अपने सिद्धान्त को डॉ. खोसला ने उन्नीस सौ छत्तीस में डिजाइन ऑफ वियर इन इमपरवियस सॉयल (अपारगम्य नींव पर वियर का डिजाइन) नाम से प्रकाशित कराया। यह सिद्धान्त दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हुआ।

रेतीली मिट्टी की तली वाली नदियों में जब डॉ. खोसला के सिद्धांतों से वियर या बैराज बनाए गए तो ब्लिघ के सिद्धांतों से बनी संरचना की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित सिद्ध हुए। ठोस पत्थरध्मिट्टी के धरातल पर ब्लिघ के सिद्धान्त से बने वियर और बैराज भी सफलतापूर्वक काम करते हैं परन्तु रेत या ढीलीध्कम ठोस मिट्टी में डॉ. अजुध्यानाथ खोसला के सिद्धान्त से बनी संरचाएँ ही सफल सिद्ध हुईं। धीरे-धीरे दुनिया भर में इनका सिद्धान्त पढ़ाया जाने लगा। इसी सिद्धांत से गहरी कट ऑफ पाईलस का प्रयोग वियर या बैराज की नींव में वृहद रूप में शुरु हुआ जिससे संरचना के नीचे नींव में बह रहे पानी का प्रेसरध्ताकत कम हो जाती है और वह अपने साथ मिट्टी के कण बहाकर नहीं ले जा पाता और इस प्रक्रिया से बनने वाला पोलापन भी नहीं पैदा होता। बांधो का डिजाइन करते समय उनमें एकत्र हो सकने वाले वर्षा जल की मात्रा का अनुमान लगाने के लिए भी डॉ. खोसला द्वारा खोजा गया सूत्र प्रयोग में लाया जाता है। उनके इस सूत्र को खोसलाज फॉर्मूला कनैक्टिंग रैन फॉल एंड यील्ड के नाम से जाना जाता है। डॉ. अजुध्यानाथ खोसला उन गिने-चुने भारतीय अभियन्ता-वैज्ञानिकों में से एक हैं जिनके खोजे गए सिद्धांतों और सूत्रों को अनेक देशों में पढ़ाया और प्रयोग में लाया जाता है। खोसलाज थेयरी एंड कन्सैप्ट ऑफफ्लो नेट्स के सूत्रों को समझने और प्रयोग करने के लिए स्नातक स्तर के उच्च गणित की गहन समझ होना अनिवार्यत: आवश्यक है।

तुलनात्मक रूप से ब्लिघ का सिद्धांत डॉ. खोसला के सूत्रों की तुलना में गणित के सरल समीकरणों पर आधारित है। डॉ. अजुध्यानाथ खोसला अपने समय भारत के विख्यात लोगों में से एक थे। इनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें और विशिष्ट उपलब्धियां इस प्रकार हैं- जन्म- ग्यारह दिसम्बर अट्ठारह सौ बयानवे जालंधर (पंजाब), मृत्यु- उन्नीस सौ चौरासी। आई आई टी रूड़की रूड़की यूनिवर्सिटी के कुलपति बनाए गए। ब्लिघ के सिद्धान्त को अवक्रमित और उच्चीकृत करके खोसला सिद्धान्त का प्रतिपादित किया। भाखड़ा बांध के निर्माण की शुरूआत इनकी संस्तुति पर ही हुई। राज्य सभा सदस्य बने। उड़ीसा के राज्यपाल बनाए गए। पद्म पुरस्कार से सम्मानित।

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति-

ऐतिहासिक और सार्थक रहा केरल साहित्य महोत्सव

तिरुवनंतपुरम,अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति जो भारत की सभी भाषओं के विकास और संवर्धन को समर्पित देश की एक ऐसी अगृणी साहित्यक संस्था है, जिसने भारत के अठारह राज्यों में अपने राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किये हैं और जिसका तीन दिवसीय 19 वां राष्ट्रीय अधिवेशन केरल साहित्य महोत्सव, देवभूमि केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थित ग्रांड चैत्रम के वातानुकूलित सभागार में सफलता पूर्वक सपन्न हुआ। महोत्सव का उद्घाटन केरल के राज्यपाल महामहिम आरिफ़ मोहम्मद खान ने दीप प्रज्वलित कर के किया। मानवाधिकार दिवस पर आयोजित इस भव्य समारोह में महामहिम राज्यपाल आरिफ़ मोहम्द खान ने कहा कि आज सारी दुनिया एक बहशी युद्ध की आग में झुलस रही है जिसका खामयाजा निर्दोष बच्चों, बृद्धों और आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे मौके पर मानवाधिकारों का महत्व और उसके प्रति जन चेतना को जागृत करने का कार्य बुद्धिजीवी ही कर सकते हैं। इसलिए ऐसे दौर में बुद्धिजीवियों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रज्ञानपुरुष पंडित सुरेश नीरव ने कहा कि- विश्व बंधुत्व और वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा हमारी संस्कृति की मूल आत्मा है और अगर सारी दुनिया इस विचार को अपना ले तो मानवाधिकारों का हनन कभी होगा ही नहीं।। मुख्य अतिथि के रूप में मॉस्को से पधारीं वॉयस ऑफ मॉस्को की चेयरपर्सन सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्वेता सिंह फ़उमाफ़ और विशिष्ट अतिथि के रूप में सेना मेडेल प्राप्त पूर्व मेजर जनरल अनूप कुमार जी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा में श्रीवृद्धि की। समारोह के पहले दिन संस्था की बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम् के प्रवासी अंक का लोकार्पण तथा कवि सम्मेलन हुआ। जिसका युगल संचालन जर्मनी से डॉ शिप्रा शिल्पी तथा सुरेश नीरव ने किया। दूसरे दिन के पूर्वार्ध सत्र का शुभारंभ गायत्री मंत्र के सामूहिक वाचन और पंडित सुरेश नीरव की रचना केरल गीत की संगीतमयी प्रस्तुति के साथ हुआ केरल की मशहूर गायिका मीरा नायर ने जब अपनी सुरीली आवाज में इस गीत को गाया तो सारा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का जहाँ उद्घाटन किया गया वहीं देश के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकार बंधुओं को उनकी सतत् साहित्य साधना के लिए संस्था के प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया। इस सम्मान में सभी साहित्यकारों को केरल का विशेष अंगवस्त्रम, तिरंगा पटका और तिरंगा पटका पहनाकर तथा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित हुए साहित्यकारों में पूर्व मेजर जनरल अनूप कुमार (केरल), श्वेता सिंह उमा(मॉस्को) ,मीरा नायर(केरल), दर्शन बेज़ार(बेंगलुरु), ज्ञान चंद मर्मज्ञ (बेंगलुरु), वीणा अग्रवाल (गुरु ग्राम), राजेश प्रभाकर(गुरु ग्राम), सुभाष चंद सैनी (देहरादून), सुमन सैनी (देहरादून), डॉ रश्मि कुलश्रेष्ठ (कानपुर), अजय कुलश्रेष्ठ (कानपुर), डॉ रत्नेश्वर सिंह (पटना),ऋषि सिन्हा (पटना), विजय प्रशांत (नोएडा), डॉ राखी सिंह कटियार,(बड़ोदरा), श्यामा सिंह (बड़ोदरा), प्रदीप भट्ट (मेरठ), राजपाल सिंह राज (गुरु ग्राम), निशा भार्गव (नोएडा) , ब्रह्म देव शर्मा (दिल्ली), प्रभा सारस्वत (दिल्ली), उमा नाथ त्रिपाठी (लखनऊ),राजेश श्रीवास्तव (लखनऊ) सतीश भार्गव (नोएडा), सुमन सैनी (देहरादून), रमेश चंद्र जैन (दिल्ली),कुसुम जैन (दिल्ली) डॉ कविता सिंह फ़प्रभाफ़ (बैंगलुरू), अखिलेश प्रताप सिंह(बेंगलुरु) शरद सिंह (बेंगलुरु), मधु मिश्रा (नोएडा), पंडित सुरेश नीरव(दिल्ली) के नाम उल्लेखनीय हैं। दूसरे सत्र का युगल संचालन गुजरात की डॉ राखी सिंह कटियार तथा कर्नाटक से आई कवयित्री डॉ कविता सिंह प्रभा ने किया। उल्लेखनीय है कि जहां शाम को आयोजित होनेवाली संगीत संध्याओं में लोकसंगीत और नृत्य कार्यक्रमों ने सभी प्रतिभागियों का मन मोहा वहीं हेरिटेज वॉक में राज्य के विभिन्न परिधानों में सजे-धजे प्रतिभागियों ने देश की विभिन्नता में एकता की भावना को साकार करते हुए यह संदेश भी दे दिया कि हम सब एक हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों दिन के कार्यक्रमों का अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के पटल से सीधा प्रसारण भी किया गया जिसे भारत तथा अनेक देशों के लगभग सात हजार प्रबुद्धजनों द्वारा देखा और सराहा गया। अधिवेशन के तीसरे दिन शैक्षिक पर्यटन के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों ने केरल के महत्वपूर्ण स्थानों का अवलोकन किया। निश्चित ही मानवाधिकार और पर्यावरण जैसे ज्वलंत विषय पर केन्द्रित यह अधिवेशन अपने आप में एक अनूठा और सार्थक साहित्यिक अनुष्ठान के रूप में एक यादगार और ऐतिहासिक महोत्सव हो गया।

कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गये

इटावा। जिला मजिस्टेऊट अवनीश राय ने बताया कि उ0प्र0 शासन, गृह (पुलिस) अनुभाग-3, लखनऊ के पत्र द्वारा जम्मू और कश्मीर पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने से सम्बन्धित मामले में सुनवाई के उपरान्त मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के द्वारा पारित आदेश के परिप्रेक्ष्य में सम्भावित विरोध प्रदर्शन के दृष्टिगत सभी संवेदनशील स्थानों के साथ-साथ सम्भावित विरोध प्रदर्शन स्थलों पर पुलिस बल की यथावश्यक तैनाती तथा अप्रिय घटना को रोकने और सार्वजनिक सौहार्द बनाये रखने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखते हुए शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गये है।

जिला मजिस्टेऊट ने उक्त के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी अग्रिम आदेशों तक लगायी है जो इस प्रकार हैं। सम्पूर्ण थाना क्षेत्र कोतवाली इटावा हेतु दिग्विजय प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट, इटावा 9454416438 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र सिविल लाइन इटावा, फेण्डस कालौनी इटावा हेतु श्री विक्रम सिंह राघव, उप जिला मजिस्ट्रेट, सदर इटावा 9454416439 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र भरथना, बकेवर हेतु कुमार सत्यम जीत, उप जिला मजिस्ट्रेट, मरथना 9454416440 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र सैफई हेतु श्री सुशान्त श्रीवास्तव, उप जिला मजिस्ट्रेट, सैफई 9454416441, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र जसवन्तनगर हेतु श्रीमती दीपशिखा सिंह, उप जिला मजिस्ट्रेट, जसवन्तनगर 9454416443 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र चकरनगर, सहसों हेतु श्री ब्रम्हानन्द, उप जिला मजिस्ट्रेट, चकरनगर 9454416442 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र ऊसराहार हेतु श्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, उप जिला मजिस्ट्रेट, ताखा 9454419063 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र इकदिल, बसरेहर हेतु श्री जय प्रकाश, तहसीलदार सदर, इटावा 9454416444 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र लवेदी हेतु श्री राजकुमार सिंह, तहसीलदार, भरथना 9454416452 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र बैदपुरा हेतु श्री जावेद अंसारी, तहसीलदार, सैफई-9454416446 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र बलरई हेतु श्री भूपेन्द्र विक्रम सिंह, तहसीलदार, जसवन्तनगर 9454416448 को, संपूर्ण थाना क्षेत्र, बिठौली हेतु श्री विष्णु दत्त मिश्र, तहसीलदार, चकरनगर 9454419062 को, सम्पूर्ण थाना क्षेत्र चौबिया हेतु मो0 असलम, तहसीलदार, ताखा 9454418449 को एवं सम्पूर्ण थाना क्षेत्र बढ़पुरा, पछायगाँव हेतु श्री प्रीति सिंह, नायब तहसीलदार तहसील सदर इटावा 7985610252 को नियुक्त किया है।

उन्होंने निर्देशित किया है कि उक्त समस्त मजिस्ट्रेट सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क बनाकर समय-समय पर कुशलता की सूचना उच्च अधिकारियों को देते रहेंगे।

इसके साथ ही किसी विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर विवाद को निपटाने में सहयोग करेंगे तथा तत्काल इसकी सूचना त्वरित साधनों द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा एवं जिला मजिस्टेऊट को भेजेगें। उक्त के अतिरिक्त नगर मजिस्ट्रेट, इटावा एवं समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट, जनपद इटावा अपने-अपने क्षेत्र के क्षेत्राधिकारी पुलिस से समन्वय स्थापित कर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे। सम्पूर्ण व्यवस्था के नोडल अधिकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट, इटावा रहेंगे।

छप्पर फाड़, गरीबों की सरकार मोदी गारंटी, फिर कमल सरकार, अबकी बार 333पार

एक विवेचन स्तंभकार गणेश ज्ञानार्थी की फेस बुक वॉल से

अगर यह कहा जाए कि गरीब के घरों पर छप्पर फाड़ कर गरीब मुख्य मंत्री आकर गिरे हैं तो शायद अतिश्योक्ति नहीं होगी। न राजवंश, न परिवार वाद, न पूंजीशाह न बाहुबली और न ही जातिवाद, जीता सिर्फ गरीब, अंतिम आदमी। मोदी ने गरीब की सरकार वाला नारा जमीन पर उतार दिया तो निरर्थक नही माना जाना चाहिए।

एक बार फिर कमल के लिए जूझने वाले ज़मीनी कार्यकर्ताओं का मानवर्धन नज़र आया जब तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में अकल्पनीय रूप से अंतिम छोर पर बैठे निहायत गरीब को सर्वोच्च प्रतिष्ठा का हकदार माना गया। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव, मध्य प्रदेश में मोहन यादव और राजस्थान में भजन लाल शर्मा में से कोई मुख्यमंत्री पद मिलने की सपने में भी कल्पना नहीं कर रहे थे। उनके नामों का ऐलान एकाएक जब जब हुआ तो वे खुद, उनके परिवार, उनके जानकार भी हैरान रह गए। मगर पार्टी के फैसलों ने एक बार फिर भाजपा को अनंत संभावनाओं वाली आश्चर्यजनक पार्टी के रूप में यह सिद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि ज़मीन के साधारण कार्यकर्ता के परख और उसके राष्ट्र हित में प्रयोग का जो सलीका भाजपा जानती है, उसे कोई दूसरा दल बिलकुल नहीं जानता। हालिया नियुक्त घोषित मुख्यमंत्रियों में से किसी ने न कोई सिफारिश कराई, न किसी से उम्मीद की, न किसी दर पर कहीं मत्था टेका, न किसी परिवारी जन ने कभी इस पद के लिए मन्नत मांगने की हिम्मत जुटाई फिर भी पार्टी ने उन पर सर्वोच्च भरोसा जता कर सिद्ध कर दिया कि तपस्या, समर्पण, साधना, राष्ट्र भक्ति, अनुशासन, और विनम्र उत्सर्ग भावना से जुड़े संस्कारों की परख अगर कहीं है, उनकी कद्र कहीं है, उनका सम्मान कहीं है, उन पर आंख मूंद कर भरोसा अगर सचमुच कहीं है तो केवल भाजपा में ही संभव हुआ दिखा है। नरेंद्र मोदी युग में कार्यकर्ताओं, नेताओं के इस विश्वास में जबर्दस्त वृद्धि हुई है।

अंतिम छोर पर खड़े किसी भी सैनिक को सर्वोच्च जिम्मेदारी निर्वहन करने की योग्यता विकसित कर चुपचाप शांतिपूर्वक बिना किसी महत्वाकांक्षा के प्रदर्शन के अपनी धुन में लगे रहना होता है। यानी इस पार्टी में किसी की भी किस्मत खुलने और कोई भी पद मिलने का अवसर मिल जाता है।

कोई चाहे कितना बड़ा हो संगठन के अनुशासनिक संस्कार इतने गहरे हैं कि कोई सियापा नहीं करता, आंसू नही बहाता, शिकायत नहीं करता, विद्रोह नहीं करता, किसी की लानत मलामत नही करता, कोई छटपटक नहीं करता बरन चुपचाप शांतिपूर्वक बिना किसी महत्वाकांक्षा के निर्णय को स्वीकार कर लेता है। भारतीय राजनीति की अलोकतांत्रिक दुर्व्यवस्थाओं के कीचड़ से जनता की उम्मीदों का ऐसा भी कमल खिल सकता है, लगभग कल्पना से परे ही था, मगर वक्त ने इसे सच करके दिखा ही दिया।

2011 से 2014 तक के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों में अन्ना हज़ारे और स्वामी राम देव के आंदोलनों में देश की अहिंसक जनता ने जे पी आंदोलन जैसा जुनून धारण करके व्यवस्था परिवर्तन के लिए काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ हुंकार भरी। सर्वाधिक भागीदारी से भाजपा ने इसे भुना लिया जनता ने सरकार बदल दी। नई सरकार ने जनता की उम्मीदों को उन्मुक्त आसमान दिया । अपनी पार्टी का चाल चलन कुछ ऐसा दिखाया कि दागदार चेहरे बेपर्दा हो गए।

ज्ञान शील एकता – परिषद की विशेषता वाले संस्कारों में विवेकानंद के आदर्श आत्मसात करने वाली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की असंख्य कतारों ने ही इस देश को सर्वोच्च पदों पर गौरवान्वित करने वाले कार्यकर्ता रूपी नेता दिए। कठिनतम संघर्ष में भी खाली हाथ भूखे प्यासे रहकर भी भीख नुमा मदद और भोजन दान लेकर राष्ट्र सेवा का बृत्त लेकर निकले जुनूनी लोगों को जो चाहे संघ के हों या बजरंग दल के या विहिप के विद्यार्थी परिषद और सरस्वती शिशु मन्दिरों समेत तमाम प्रकल्पों ने जो ताकत दी, उससे राजनीति का स्वरूप परिवर्तन का सपना साकार होता सा नज़र आया।और अन्ना की छाती पर खूंटा ठोक कर पार्टी बना कर राजनीति को बदलने का दावा करके आए अरविंद के जरीवाल की अहंकारी और रुपया बटोरू टीम जेल में हांफती नज़र आई ।

अभूतपूर्व प्रसिद्धि वाले अन्ना हज़ारे कहते थे कि, अच्छे लोग हर दल में हैं मगर उनका सम्मान किसी दल में नहीं है। यही मुख्य वजह रही कि अपराधी, दुर्व्यसनी, दुराचारी, भ्रष्टाचारी भी दलों की नाक का बाल ही नहीं, उनके नियंत्रक और नियंता भी बन गए। सत्ता परिवर्तन के बाद मोदी की टीम ने लोगों की धारणा बदलने में खासे प्रयोग किए और जता दिया कि नदी या समुंदर के तल पर तैरते झाग और लाश में से वे जीवन नही तलाशते, वरन् गहराई में डूब कर रत्नों की तलाश करने का हुनर उन्हें आता है। भाजपा में हर जगह ऐसा हो यह तो सच नहीं है पर नरेंद्र मोदी ने तमाम बार पार्टी और संगठन को श्रेष्ठतम साबित करने और जन अकांक्षाओ का केंद्र बिंदु बनाने की जी तोड़ कोशिश तमाम अपमान पीते हुए अवश्य की है। बाकी नेता भी हौसला दिखाएं तो दूसरे दलों से आए पुराने घाघ भ्रष्टों को बार बार इतनी तरजीह न मिलती और पुराने तपस्वी कार्यकर्ताओं को खून का घूंट पीने को मजबूर न होना पड़ता। कांग्रेसी अहंकार वादी आचरण त्यागे बगैर मोदी टीम और संघ के वैचारिक मूल्योंका अनुसरण संभव नहीं है। इसी लिए मोदी पर जनता आंख मूंद कर भरोसा करती है और इन्ही रीति रिवाजों के कारण खुद को दुनियां का खुदा मानने वाले वैश्विक नेता भी उनमें उम्मीद की किरण देखते है। जिलों और प्रदेश में तमाम नेता नुमा लोग मोदी के नाम पर मिलती सत्ता में खूब लाभ तो बटोरना चाहते हैं मगर मोदी योगी जैसा आचरण नहीं अपनाना चाहते , जो कार्यकर्ताओं में बेचैनी पैदा करता है और भ्रष्ट आचरण के लिए विख्यात खद्दर धारियों को ताकत देता है और मोदी आदि की कोशिशों में पलीता लगाता है। धैर्यवान कार्यकर्ता कब तक इन्हें झेलेगा और इनकी खाल नही उधेड़ेगा, वक्त बताएगा।

तीन राज्यों के नवनियुक्त मुख्यमंत्रियों के चयन में मोदी राजनाथ, अमित शाह आदि टीम ने दलित पिछड़ा और ब्राह्मण को साधने की कोशिश जरूर की है, मगर असल संदेश अंतिम नागरिक के लिए जूझने वाले ज़मीनी कार्यकर्ता में उम्मीदों की मशाल जलाने वाला ही माना जायेगा, जिससे बारम्बार गरीब को सर्वोच्च पदों पर आसीन होने की आशा बलवती होती है। यही लोकतंत्र की प्राथमिक जीत भी है और शर्त भी। मोदी युग में इस मोर्चे सारे दल बिलकुल पैदल हुए प्रतीत होते हैं।

मैंने यह भी देखा कि यह भाजपा ही थी, जिसमे राम प्रकाश गुप्ता जैसे उप मुख्यमंत्री रहे विनम्र तपस्वी को 1967 के 33 वर्ष बाद गुमनामी के अंधेरों से निकाल कर मुख्य मंत्री बना कर अटल जी ने सबको चौंका दिया था। मोदी जी ने इस बार तीनों प्रदेशों को भी यू पी के योगी की तरह ही अटल जी के अंदाज़ में ही चौंका दिया। उन्ही के रहते यह भी संभव हुआ कि राज्यपाल रह चुकीं बेबी रानी मौर्य विधायक बनीं और मंत्री भी। वरना किसी और दल में कोई कल्पना कर सकता था कि मुख्यमंत्री चुके देवेंद्र फ डणवीस बदले निज़ाम में उपमुख्यमंत्री बनने को राज़ी हो जाएं। गृह मंत्री रह चुके राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री बनने पर कोई मलाल महसूस न करें। अट्ठारह साल मुख्यमंत्री रह कर पार्टी को फिर से जिता लाने वाले शिवराज चौहान जैसे बड़े मन और दिल वाले लोग पूरी खुशी से पद त्याग कर अति साधारण से मोहन यादव को सत्ता सौंपते समय किसी खटास की लकीर भी पेशानी पर नजर न आने दें।

यू पी बिहार के यादव नेताओं ने अपने दलों परिवारों और हिंसक समर्थकों की जैसी विवादित फ़ौज और अराजक पहचान बनाई है, उससे इन प्रदेशों में निवासित अधिकतर यादव समाज का दुखी होना और सर झुका कर चुपचाप रहना स्वाभाविक ही था, क्योंकि किसी विद्वान, समझदार चरित्रवान की कोई इज्जत इन दलों में तो रही नहीं। अपराधियों की भीड़ में से रास्ता बनाना वे गवारा कैसे कर सकते थे, सो वे घुट घुट कर गुमनामी में ही रहे। मोहन यादव के संरक्षण में सज्जन लोगों को अब छता मिल जायेगा और अपराध शील स्वभाव वाले लोग उनके पास फटकने की भी हिम्मत नहीं जुटा सकेंगे। यादव वर्ग की सामूहिक पहचान का संकट वे हल करने में वे कामयाब हो जायेंगे क्योंकि कृष्ण जन्म भूमि के भव्य और दिव्य प्रस्तुतिकरण में उनकी भूमिका से यादवों के सारे नेतृत्व ठेकेदार उनके बर अक्स फकत आहे भरते ही नज़र आयेंगे। उनका चुनाव सचमुच दूर की कौड़ी है। मोदी सचमुच लंबे कल तक बधाइयां वसूलेंगे।

पिछले दिनों ब्राह्मणों की वेदना जो विकास दुबे जैसों पर तो चिंघाड़ती नजर आती थी पर किसी पद पर ब्राह्मण मुख्य मंत्री न होने पर सुबकती भी नज़र नही आती थी। इस पर मैंने स्वर दिया और सवाल किया कि क्या कोई ब्राह्मण मुख्यमंत्री है या बनने की संभावना है क्या ? सच्चाई यही थी कि कमंडल के सरकार गिराने के झूठे दावा करने वाले नकली मंडल वालों ने जैसी नफरत के बीज बोए थे उनके चलते कोई संभावना किसी को नज़र ही नहीं आ रही थी। मगर यह बड़ा ही शुभ हुआ कि अंततः रास्ता निकल आया और ब्राह्मण मुख्य मंत्री खोज कर राजस्थान में मोदी राजनाथ अमित शाह आदि ने सत्ता के संतुलन को साधने की जो बाजीगरी दिखाई है, वह सचमुच प्रशंसनीय है। क्योंकि जितना अपमान सचमुच तपस्वी ब्राह्मण वर्ग झेला है उतनी पीड़ा किसी ने नहीं झेली। नकली दुराचारी कथित अपराधी स्वयं भू ब्राह्मण बनने वालों ने ही सच्चे लोगों का जीना दूभर किया है। राजस्थान के चयन से ज़ख्मों पर मरहम तो लगेगी ही और सात्विक शक्तियों के लिए संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे। राजनीतिक कदाचारियो की बंदूकें अपने कंधे पर रखकर दागने वाले पवित्रता आचरण ज्ञान और तपस्या में कथित शूद्रों और मलेच्छो से भी बदतर माने जाने वाले तथा कथित ब्राह्मण भी अब भाजपा पर खाम खां निशाना साधने में सफल नहीं हो पाएंगे।

यद्यपि अभी कुछ और वर्गों में हिस्सेदारी की प्यास को तृप्त करना आवश्यक है मगर फिलहाल अगले लोक सभा चुनाव में पार्टी को पुनः स्थापित करने की दिशा में मोदी टीम ने जो दांव खेला है उसकी कोई काट विपक्ष के पास नही है। फिर भी भाजपा का अति आत्मविश्वास में न होना और अन्य अकांक्षी प्रताड़ित वर्गों को साधने में जुटे रहना आशान्वित करता है कि मोदी सरकार इस बार और अधिक सीटों से पुनर्स्थापित हो जाए। 303से333 की पहुंच तो आसान लगने ही लगी है।

शौचालय, गैस, राशन, बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड, बैंक लोन, किसान कर्ज माफी आदि योजनाओं के बाद भाजपा यह दवाका की भी हकदार बन गई है कि वह मुख्य मंत्री भी गरीब की झोली से निकाल लाती है और गरीबों की झोली में छप्पर फाड़ कर सरकार बनाकर डाल भी देती है। अमीरों को नाजायज करने पर विवाश्वक शोषण अन्य कनेंको मजबूर करने वालों का इंस्पेक्टर राज धीरे धीरे दम तोड़ रहा है। अमीर को भी साम्यवादी दुराचरण मुक्त होकर खुली हवा में सांस लेने और अपने श्रमिकों का ईमानदारी से ख्याल रखने की आज़ादी मिलेगी और उनसे जबरन वसूली करवाने वाले सरमाए दारों को चौकीदार चोर और पनौती की रट लगाते देखनेकी अभ्यस्त जनता भारत के वैश्विक स्वाभिमान किए कठिन हालातों में भी मोदी को मुमकिन बनाती रहेगी। इसीलिए हालिया मुख्यमंत्रियों के चुनाव को गरीबों की सरकार कहना अतिश्योक्ति पूर्ण नही होगा। गरीबी से निकल कर सत्ता सीन हुए लोग गरीबों की आकांक्षाओं पर खरे उतरें, इसके लिए हर अमीर गरीब को शुभ प्रार्थनाएं करनी ही चाहिए। ताकि किसी नए मुख्यमंत्री को जल्द बदलने की नौबत न आए। गांधी, जे पी, लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अंबेडकर, दिन दयाल उपाध्याय समेत पूर्वज सैनानियों के सपने का भारत बनता जिन्हे नज़र आ रहा हो उन्हें, सचमुच बधाई।

गणेश ज्ञानार्थी 9027595709 इटावा यू पी।

योगी सरकार का बड़ा दांव, यूपी पुलिस में निकाली बंपर भर्ती

लखनऊ (यूएनएस)। अगर आप यूपी पुलिस में जाने का सपना देख रहे तो आपके लिए खुशखबरी है। योगी सरकार ने यूपी पुलिस में बंपर भर्ती निकाली है। यूपी में पुलिस कांस्टेबल पदों पर भर्तियों का नोटिफिक्केशन जारी कर दिया गया है। आवेदन प्रक्रिया कल, 14 दिसंबर 2023 से शुरू होगी और 1 जनवरी 2024 तक चलेगी। आवेदन उत्तर प्रदेश पुलिस प्रोन्नति बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट नचचइचइ.हवअ.पद पर जाकर ऑनलाइन करना होगा। नागरिक पुलिस और पीएससी में खेल कोटे के तहत कुल 546 खाली पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इन पदों में आरक्षी नागरिक पुलिस के 372 और आरक्षी पीएसी के 174 शामिल हैं। इन भर्ती के तहत आवेदन करने वाले युवा का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास होना अनिवार्य हैं। साथ ही अभ्यर्थी के पास नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर संबंधित खेल प्रतियोगिता का प्रमाणा पत्र भी होना चाहिए। अधिक योग्यता संबंधी जानकारी के लिए कैंडिडेट डिटेल नोटिफिक्केशन को चेक कर सकते हैं। 1 जुलाई 2023 को 18 वर्ष हो और 22 वर्ष से अधिक न हो.

नियमानुसा आयु सीमा में अभ्यर्थियों को छूट भी दी जाएगी। आवेदन करने वाले सभी वर्ग के अभ्यर्थियों को 400 रुपए आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। एप्लीकेशन फीस चालान के माध्यम से जमा किया जाएगा। चयन खेल कौशल परिक्षण के जरिए तैयारी की गई मेरिट के जरिए किया जाएगा। आवेदन के समय नोटिफिक्केशन में बताए गए सभी प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सभी प्राप्त आवेदकों का वेरिफिक्केशन किया जाएगा। उसके बाद नियमानुसार चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ जनवरी, 2024 में 62, 624 पदों के लिए वैकेंसी जारी की जाएगी। इनमें कॉन्स्टेबल के 52,699 पद हैं। ऑनलाइन आवेदन जनवरी के पहले हफ्ते से किया जा सकता है। कॉन्स्टेबल के अलावा जेल वॉर्डर के 2833, सब इंस्पेक्टर के 2469, रेडियो ऑपरेटर के 2430, लिपिक संपर्क पद के 545, कंप्यूटर ऑपरेटर के 472, कंप्यूटर प्रोग्रामर के 55 और कुशल खिलाड़ी कोटे से 521 पदों पर भर्ती होनी है। बताया जा रहा है कि जनवरी के पहले हफ्ते में यूपी पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड नोटिफिक्केशन जारी कर सकता है। इसके लिए विभाग के ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा।

एचडीएफसी ने रु. 2.75 लाख करोड़ के बिजनेस का आंकड़ा पार किया

लखनऊ (यूएनएस)। भारत के निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक का उत्तर प्रदेश में कुल कारोबार ने रु. 2.75 लाख करोड़ के आंकड़े को पार किया है 30 सितंबर, 2023 तक कुल कारोबार 2,81,639 करोड़ रुपये था, जो साल-दर-साल 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह घोषणा आज लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ब्रांच बैंकिंग प्रमुख श्री अखिलेश कुमार रॉय ने की। राज्य स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 30 सितंबर 2023 तक, राज्य में बैंक की अग्रिम राशि रु. 1,44,170 करोड़ जबकि जमा राशि रु. 1,37,469 करोड़, क्रमश: 74.6 प्रतिशत और 35.6 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। बैंक की राज्य स्तरीय जमा में रैंकिंग तीसरी (मार्च 2023 में पांचवीं) और कुल अग्रिम में दूसरी (मार्च 2023 में तीसरी) हो गई है। 30 सितंबर, 2023 तक 31,267.87 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि के साथ यह एमएसएमई क्षेत्र का सबसे बड़ा ऋणदाता है। एमएसएमई क्षेत्र आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में कार्य करता है और अर्थव्यवस्था में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। 30 सितंबर, 2023 तक ऋण जमा अनुपात 104.9 प्रतिशत है। 1997 में लखनऊ शहर के हजरतगंज में अपनी पहली शाखा के शुभारंभ के साथ राज्य में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद से उत्तर प्रदेश बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण सक्षम राज्य रहा है। तब से, बैंक ने उत्तर प्रदेश में अपने शाखा नेटवर्क को तेजी से 777 शाखाओं और 1,603 एटीएम (30 सितंबर, 2023 तक) तक विस्तारित किया है। इसने ग्राहकों को सुविधा और लचीलापन प्रदान करने के लिए राज्य में अपनी डिजिटल बैंकिंग रणनीति को भी बढ़ावा दिया है।

एनपीएस से पूर्व चयनित शिक्षकों को मिलना चाहिए पुरानी पेंशन का लाभः संजय

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय संयोजक आईटी सेल संजय द्विवेदी ने कहा है कि नई पेंशन स्कीम लागू होने से पहले के विज्ञापन से चयनित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विज्ञापन संख्या 1ध्2002 के तहत नई पेंशन योजना लागू होने के बाद नियुक्त सहायक अध्यापक याचियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने का निर्देश दिया है। इसके लिए प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से सूचनाओं का संग्रह कर प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराएं। श्री द्विवेदी ने बताया कि कोर्ट ने अपने नवीन निर्णय में कहा कि नई पेंशन स्कीम लागू होने से पहले के विज्ञापन से चयनित सहायक अध्यापकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को मानने से इनकार कर दिया कि सहायक अध्यापकों की नियुक्तियां नई पेंशन स्कीम लागू होने के बाद की गई है, इस कारण वे नई पेंशन स्कीम में होंगे। सभी सहायक अध्यापकों की नियुक्तियां एक अप्रैल 2005 के बाद की गई हैं। इस कारण वे पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ पाने के हकदार नहीं है। वे नई स्कीम में आते हैं। याचिकाओं में इसे चुनौती दी गई थी। श्री द्विवेदी ने बताया कि याचिकाओं पर अधिवक्ता की दलील थी कि याची के साथ चयनित और नियुक्त अन्य सभी अध्यापकों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिल रहा है लेकिन याचियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है।

ईवीएम हटाओ-बैलेट लाओ, सपा कार्यालय पर लगी होर्डिंग

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगाई गई। इन पर लिखा गया ईवीएम हटाओ और देश बचाओ, ईवीएम हटाओ बैलट लाओ। सपा के युवजन सभा के पूर्व प्रदेश सचिव ने कहा कि अमेरिका की तरह बैलेट पर भारत में भी चुनाव हो। इससे पहले अखिलेश यादव ने भी बैलेट से चुनाव पर विचार करने के लिए कहा था।

विपक्ष में कांग्रेस और बसपा के नेता भी ईवीएम हटाने की मांग करते रहे हैं। सपा कार्यालय के बाहर लगी होर्डिंग के बाद बीजेपी सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, लगता है कि सपा के नेता 2024 में होने वाली हार को अभी से भाप गए हैं। इसलिए पहले ही ऐसी बात करने लगे हैं। देखिए, जब सपा और विपक्ष, चुनाव में हारता है, तो ऐसी बाते करता है। लेकिन जब जीतता है, तो कभी ईवीएम को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं करते हैं उन्होंने कहा, सपा नेताओं को याद रखना चाहिए। कि यूपी की सत्ता में 2012 में जब आप आए, तो सत्ता में बसपा थी। ईवीएम सबसे निष्पक्ष नतीजों के लिए जानी जाती है। लोग इसकी मदद से कम समय में अपना मत दे पाते हैं। अब सपा के ऐसे स्टंट का कोई भरोसा नहीं करेगा। बीजेपी पूर्ण बहुमत में आती है, सपा को खाता खोलना मुश्किल हो गया। इसलिए ऐसी बातें कर रही हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने एक्स के जरिये को कहा कि ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फसरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के माध्यम को भी चुनने का भी अधिकार होता है।

एनडीआरएफ ने बीकेटी लखनऊ में किया माकड्रिल

लखनऊ (यूएनएस)। बक्शी का तालाब स्थित दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्रामीण विकास संस्थान लखनऊ में एनडीआरएफद्वारा माकड्रिल किया गया। जिसमे एक ब्लास्ट होने से हुए एटोमिक रेडियेशन में कुछ लोगों के फंसे होने का दृश्य रखा गया था। इस माकड्रिल के प्रथम चरण में एनडीआरएफ अधिकारियों, परमाणु ऊर्जा के अधिकारीगण, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारीगण, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा बैठक कर इस माकड्रिल अभ्यास की सम्पूर्ण रूप रेखा तैयार की गयी। माकड्रिल में ब्लास्ट के कारण हुए एटोमिक रेडियेशन से कुछ लोगों के फंसे होने का दृश्य रखा गया। जिसमे राज्य प्रशासन द्वारा सूचना देकर सर्च एवं रेस्क्यू के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम को एवं अन्य एजेंसियों को बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर सुरक्षा उपकरणों को पहनकर उस क्षेत्र में प्रवेश किया। फिर मेडिकल टीम ने घायलों को स्थिरता प्रदान करते हुए बाहर निकाला। इसके बाद एनडीआरएफके जवानों ने नौ चरणों से गुजरकर स्वयं को रेडियेशन के दूषण से अलग किया। अभ्यास 11 एनडीआरएफके उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के दिशा निर्देशन तथा सूर्य प्रताप शाही (वीसी, एसडीएमए) की अध्यक्षता में संचालित किया गया। एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम द्वारा खोज एवं बचाव का कार्य किया गया।

एसटीएफने फर्जी कागज पर लोन दिलाने वाले गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी एसटीएफको फर्जी आधार, पैन कार्ड व वोटर कार्ड बनाकर दोपहिया वाहन व अन्य उपकरण पर लोन कराकर कम दामों पर बेचकर ठगी करने वाले गैंग के 3 सदस्यों को आगरा जनपद से गिरफ्तार किया है। संजेश कुमार वर्मा, राहुल वर्मा निवासी आगरा और किशन सिंह फिरोजाबाद के रहने वाले है। जिनके पास से सिंगल फिंगर डिवाइस, जीपीएस डिवाइस फर्जी पैन कार्ड ,ड्राइविंग लाइसेंस सहित कई बैंक के एटीएम कार्ड मिले है। एसटीएफफील्ड ईकाई आगरा के पुलिस उपाधीक्षक उदय प्रताप सिंह की टीम को सूचना मिली थी कुछ लोग जो फर्जी तरीके से आधार कार्ड, पैन कार्ड व निर्वाचन कार्ड बनाकर बैंकों में फर्जी खाते खुलवाकर दुकानों से सामान खरीद कर बेच देते हैं।

पर्यटन मंत्री ने वर्गीकृत पोर्टल का किया शुभारम्भ

न्यू होटल वर्गीकरण पर्यटकों के आकर्षण के साथ हास्पिटेलिटी सेक्टर में निवेश को मिलेगी गति -जयवीर

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने नये स्टार होटल वर्गीकरण पोर्टल का उद्घाटन करते हुए कहा कि होटलों के इस वर्गीकरण से उनकी एवं रिसॉर्टस गुणवत्ता, सेवाओं और समग्र सुविधाओं तथा अतिथि अनुभव के आधार पर किया गया है। इससे होटलों के कारोबार को गति मिलेगी। नई संशोधित वर्गीकरण प्रणाली में 05 अलग-अलग श्रेणियाँ शामिल की गयी हैं। उन्होंने कहा कि नई स्टार होटल वर्गीकरण प्रणाली के लाभ बहुआयामी हैं।इस प्रणाली के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होटल कई प्रकार के प्रोत्साहनों के पात्र होंगे और उन्हें उद्योग मानक के तहत सब्सिडी और टैक्स का लाभ मिलेगा।पर्यटन मंत्री आज पर्यटन विभाग के सभागार में न्यू स्टार वर्गीकरण प्रणाली के शुभारम्भ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। पर्यटन विभाग ने प्रदेश के संचालित होटलों और रिसॉर्ट्स के स्टार वर्गीकरण की मंजूरी के लिए एक नई स्टार वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। इसका उद्देश्य राज्य में अधिक होटल कमरों की उपलब्धता, बेहतर सुविधाओं के साथ हास्पिटेलिटी उद्योग में सुधार के साथ होटल और रिसॉर्ट्स को उद्योग के बराबर सब्सिडी और प्रोत्साहन प्राप्त होगा। यूपी सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक स्थलों और जीवंत शहरों के लिए जाना जाता है।राज्य सरकार निरन्तर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे रही है। नई संशोधित वर्गीकरण प्रणाली में 05 अलग-अलग श्रेणियाँ शामिल हैं। इनमें प्लेटिनम, डायमण्ड, गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज जो होटल उद्योग की पारम्परिक स्टार रेटिंग है। क्रमशः 05 स्टार, 04 स्टार, 03 स्टार, 02 स्टार और 01 स्टार वर्गीकरण के अनुरूप है। जिसे पर्यटन मंत्रालय द्वारा निर्धारित किया गया है। यह संशोधित प्रणाली पर्यटकों के लिए चयन प्रक्रिया को और सरल बनायेगी। इसके होटलों के बीच उच्च सेवा मानकों को प्रोत्साहित करेगी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि नई वर्गीकरण प्रणाली में प्रतिभाग और जानकारी के लिए यूपी पर्यटन विभाग ने अपनी अधिकारिक वेबसाइट पर न्यूनतम अपेक्षित शुल्क के साथ न्यू होटल स्टार वर्गीकरण सिस्टम में आवेदन करने के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। राज्य पर्यटन विकास निगम राज्य में न्यू स्टार होटल वर्गीकरण प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगा। यह वर्गीकरण अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे राज्य के हास्पिटेलिटी सेक्टर में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य मुकेश मेश्राम, प्रबंध निदेशक एवं विशेष सचिव एके पाण्डेय, निदेशक पर्यटन प्रखर मिश्र के अलावा पर्यटन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटन मंत्री ने किया राज्य संग्रहालय में वीथिका का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज राज्य संग्रहालय लखनऊ में अवध वीथिका के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि इसके माध्यम से दर्शक अवध की गौरवशाली संस्कृति के विविध आयामों को देख सकेंगे। वीथिका में अवध की गौरवशाली संस्कृति एवं हस्तशिल्प आदि की झलक प्रस्तुत की गयी है। कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह कर उन्हें जनसामान्य के अवलोकनार्थ किया गया है। जयवीर सिंह ने कहा कि 171.80 लाख रूपये की लागत से अवध वीथिका का सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य कराया गया है। वीथिका में अवध की संस्कृति से संबंधित मीनाकारी, ग्लासवेयर, बीदरी वेयर, टेक्स टाइल, मेटल वेयर, मिट्टी के खिलौने, वाद्य यंत्र एवं अन्य वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया है।

अटल के नाम पर होगा गोमती नगर रेलवे स्टेशन

नगर निगम कार्यकार्यकारणी में रखा जाएगा प्रस्ताव सांसद और रेलवे मंत्रालय को भेजी डिमांड

लखनऊ (यूएनएस)। हजरतगंज चौराहे और इकाना स्टेडियम के बाद अब गोमती नगर स्टेशन का नाम भी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने की तैयारी शुरू हो गई है। लखनऊ नगर निगम ने इसकी पहल की है। नगर निगम कार्यकारिणी में यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उसके बाद इसको सांसद राजनाथ सिंह को दिया जाएगा। इससे कि रेलवे में भी यह मांग रखा जा सके। 15 दिसंबर को नगर निगम की कार्यकारणी होने वाली है। इसमें यह प्रस्ताव लाया जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद आगे की पहल तेज की जाएगी। इससे पहले नगर निगम ने हजरतगंज चौराहे का नाम अटल चौक कर दिया था। जबकि शासन की तरफ से इकाना स्टेडियम को भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया गया था। ऐसे में यह तीसरा बड़ा सेंटर होगा जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर होने जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 25 दिसंबर को जयंती है। इससे पहले नगर निगम गोमती नगर रेलवे स्टेशन का नाम उनके नाम पर करने जा रहा है। महापौर ने कार्यकारिणी और सदन की स्वीकृति की प्रत्याशा में दो दिसंबर को ही इसका प्रस्ताव मंजूर कर दिया था। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि कार्यकारणी में पास होने के बाद एक प्रस्ताव रेलवे और सांसद को भेजा जाएगा।

वहां से ही नाम पर विचार होगा। यह काम रेलवे का है। नगर निगम एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है। लखनऊ में गोमती नगर रेलवे स्टेशन अगर अटल के नाम पर होता है तो यह पहला मौका नहीं है जब ऐसा होगा। इससे पहले मुगलसराय स्टेशन का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया था। यूपी सरकार ने इसकी डिमांड की थी। इसमें तत्कालिन राज्यपाल नाम नाईक ने सहमति दी थी। आरएसएस-बीजेपी के विचारक थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय।

मो ऐप के जरिए 2 करोड़ लोगों तक पहुंचेगी भाजपा

प्रदेश स्तरीय बैठक में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा

लखनऊ (यूएनएस)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर लखनऊ के गोमती नगर में स्थित सीएमएस स्कूल में बीजेपी की बड़ी बैठक बुलाई गई। प्रदेश स्तरीय इस बैठक की अध्यक्षता बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने की। वही इस बैठक उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। बीते 7 दिसंबर को पीएम मोदी ने नमो ऐप पर विकसित भारत एंबेसडर की स्कीम को लॉन्च किया। जिसको लेकर बुलाई गई प्रदेश स्तरीय बैठक में बताया जाएगा की कैसे अब इस एप को न सिर्फ पार्टी से जुड़े लोग बल्कि आम जनता को जोड़ना है। ऐप के फायदे को भी आम जनता को बताना है। भारतीय जनता पार्टी की एक दिवसीय कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों के जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रभारी मंत्री के साथ ही सभी मोर्चों के अध्यक्ष भी शामिल हुए। जहां इन सभी को बताया गया कि किस तरीके से आम जनता के बीच में जाकर उन्हें नमो ऐप को डाउनलोड करवाना है और उसमें उनका रजिस्ट्रेशन करवाना है जिससे कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं से वह अवगत हो सके।

नमो ऐप अब सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए न होकर अब आम आदमी के लिए भी होगा। और प्रदेश के सभी पदाधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है कि प्रदेश भर से तकरीबन दो करोड़ लोगों को इस ऐप से जोड़ा जाए साथ ही एक क्विज के माध्यम से एम्बेसडर का भी चुनाव किया जाए। नमो ऐप डाउनलोड करने वाले सभी आम लोगों को भी विकसित भारत प्रोग्राम का एंबेसडर बनने का मौका इस ऐप के माध्यम से दिया जाएगा। जिसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाने वाले सभी लोगों को 100 दिनों तक क्विज कुछ के सही जवाब देने होंगे उसके बाद उन्हें एंबेसडर के रूप में चुना जाएगा। राजधानी लखनऊ में बुलाई गई इस प्रदेश स्तरीय बैठक के बारे में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि नमो ऐप को लेकर बुलाई गई है बैठक काफी महत्वपूर्ण है इस बैठक में नमो ऐप के बारे में सभी जिलों के जिला अध्यक्ष और पदाधिकारी को बताया जाएगा साथ ही अब तक यह ऐप जो सिर्फबीजेपी के कार्यकर्ताओं के लिए था उसको आम लोगों तक दिया पहुंचने का काम किया जाएगा। और पूरे प्रदेश में लगभग 2 करोड लोगों को हम इस ऐप के माध्यम से जोड़ेंगे जिसके लिए सभी स्कूल, कॉलेज ,अस्पतालों के साथ ही बाजारों में स्टाल लगाकर इस ऐप को डाउनलोड करवाने का भी काम किया जाएगा। चुकी अब लोकसभा चुनाव में 5 महीने से भी काम का समय बाकी है इसलिए भाजपा लगातार यूपी में फोकस पर आए हुए हैं यही कारण है कि बीजेपी में प्रधानमंत्री मोदी के 9 वर्ष पूरे होने से ही चुनावी एजेंडा को तैयार किया पहले जनसंपर्क महा अभियान दूसरा कलश यात्रा ,तीसरा विकसित भारत अभियान और अब यह चौथा नमो एप अभियान।

समस्या परेशानी बने, इससे पहले हो जाय समाधानः शर्मा

लखनऊ (यूएनएस)। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगरीय निकाय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निकायों में आई जनसमस्याओं की अनदेखी न करें, इसका शीघ्र निराकरण करने हेतु हर संभव कदम उठायें जाए, जिससे कि लोगों को शीघ्र राहत मिले। अधिकारियों की कार्यशैली ऐसी हो कि कोई भी समस्या लोगों के लिए परेशानी का कारण बने, इससे पहले ही समाधान हो जाए। इसके लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लें। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आनलाइन बनाने तथा अन्य कार्यों को समयबद्ध रूप से करने के लिए अलीगढ़ नगर निगम द्वारा संचालित ई-आफिस प्रणाली का प्रस्तुतीकरण देखा और नगरीय निकाय निदेशक को निर्देशित किया कि सभी नगरीय निकायों में कार्यों के सुचारू व समयबद्ध रूप से संचालन हेतु डिजिटल प्रणाली को अपनाये। इसके लिए कार्य किया जाए। स्ट्रीट वेन्डर्स को अपने कार्यों में समस्या न हो, अलीगढ़ नगर निगम की तरह अन्य निकायों में भी स्मार्ट वेन्डर कार्ड बनाने की व्यवस्था की जाए। स्ट्रीट वेन्डर तथा सफाई कर्मियों को केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का

भी लाभ मिले, इसके लिए प्रयास किये जाए।नगर विकास मंत्री श्री शर्मा बुधवार को नगरीय निकाय निदेशालय में सम्भव के तहत राज्य स्तरीय जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारियों से शिकायत के संबंध में वर्चुअल बात भी की। सीवर चोक व क्षतिग्रस्त होना, पानी के बिल, स्ट्रीट लाइट, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, गंदगी व कूड़ा, पाइप लाइन लीकेज जैसी आदि समस्याओं का निस्तारण कराया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज न करें। बल्कि उनका गम्भीरता से निराकरण करायें। जनसुनवाई में वाराणसी निवासी शिवम रस्तोगी के कायवले धाम कालोनी में 09 माह से सीवर चोक की शिकायत पर नगर आयुक्त वाराणसी ने बताया कि पुरानी सीवर लाइन होने से समस्या है, इसके स्थाई समाधान के लिए नई सीवर लाइन हेतु स्टीमेट बनाया गया है तथा 3.84 लाख रूपये की लागत से इस 45 मी0 लम्बी सीवर लाइन को जल्द ही बदला जावेगा।

लखनऊ निवासी सचित्र मिश्रा की कालोनी कन्हैया माधवपुर वार्ड में सीवर का गंदा पानी भरने से कालोनी में दुर्गंध व मच्छरों की संख्या बढ़ने की शिकायत पर नगर आयुक्त लखनऊ इन्द्रजीत ने 04-05 दिन में इस समस्या का निराकरण करने की बात कही। इसी प्रकार कानपुर निवासी पूजा शर्मा के आवास में जलकर व सीवर बिल ज्यादा आने की शिकायत पर कानपुर जीएम ने बताया कि बिल का संशोधन कर दिया गया है। 2021 में सीवर लाइन पड़ी थी। बलिया निवासी गौरव यादव की प्रोफेसर कालोनी में कूड़ा उठान न होने की समस्या पर मंत्री ने अधिकारियों को जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिये तथा लोग कूड़ा इधर-उधन न फेके, इसके लिए भी जागरूक किया जाए। हाथरस निवासी रूपेश कुमार के न्यू साकेत कालोनी में पानी की पाइप लाइन का लीकेज होने से पानी सड़क पर भरा होने की शिकायत का समाधान कराया गया तथा अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र के निवासियों को भी घरों का गंदा पानी सड़क पर फैलाने के लिए नोटिस दिया जाए।

लोकसभा की 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा: केशव

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2019 में लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 300 से अधिक सीट पर जीत हासिल की थी और 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटों पर बीजेपी जीतेजी। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर खुर्जा के रॉयल रिसोर्ट में भाजपा के पश्चिम, ब्रज और कानपुर क्षेत्र के विस्तारकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे एवं अंतिम दिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य विस्तारकों को संबोधित कर रहे थे। पुलिस ने डिप्टी सीएम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।डिप्टी सीएम ने प्रशिक्षण वर्ग में विस्तारकों से केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से चलाई गई योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा, गठबंधन भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे दलों का गैंग है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को उन्होंने अहंकारी बताया।

एमपी में भाजपा के यादव कार्ड ने यूपी में बढ़ाई सपा की चिंता

लखनऊ (यूएनएस)। मध्यप्रदेश के चुनाव नतीजों के बाद भाजपा द्वारा यादव चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने के फैसले ने यूपी में समाजवादी पार्टी (सपा) की चिंता बढ़ा दी है। पार्टी को अपने मूल वोट बैंक यादव पर सेंधमारी होने का खतरा नजर आ रहा है। भाजपा ने एमपी में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर जो यादव कार्ड खेला है, उसका सीधा असर यूपी में पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में आगामी आम चुनाव में सपा के लिए आगे की डगर चुनौती भरी हो सकती है। राजनीतिक जानकर बताते हैं कि राम नरेश यादव से लेकर मुलायम सिंह और अखिलेश यादव तक तीन यादव पांच बार यूपी के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यादव वोट बैंक भाजपा के लिए कितना महत्वपूर्ण है। आंकड़ों के अनुसार, यूपी की 24 करोड़ आबादी में यादवों का हिस्सा लगभग 9-10 फीसदी है। इसके साथ, प्रदेश में कई दर्जन जिले ऐसे हैं, जिनमें यादव आबादी लगभग 20 प्रतिशत है। यादव वोट बैंक पर समाजवादी पार्टी की सबसे मजबूत पकड़ मुलायम के जमाने से चली आ रही है। सपा के एक नेता ने बताया कि यादव वोट बैंक पर सपा का विश्वास सपा के स्थापना काल से चला आ रहा है। मुलायम ने अपने क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। इसलिए इस वोट बैंक पर किसी और दल के नेता को कोई पद देने से ज्यादा कुछ फर्क तो नहीं पड़ेगा। हालांकि अलर्ट रहने की जरूरत है। क्योंकि बुंदेलखंड बेल्ट में यह वोट बैंक का झुकाव जरूर दूसरी ओर हो सकता है। इसे साधने के लिए तैयारी करनी पड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को इसकी चिंता भी है। उनके इसके लिए मेहनत करनी पड़ेगी।राजनीतिक विश्लेषक प्रसून पांडेय कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के इटावा, एटा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, फिरोजबाद, कन्नौज, बदायूं, आजमगढ़, फैजाबाद, बलिया, संतकबीर नगर, जौनपुर और कुशीनगर जिले को यादव बहुल माना जाता है। इन जिलों की करीब 50 विधानसभा सीटें हैं, जहां यादव वोटबैंक काफी महत्वपूर्ण हैं। भाजपा ने 2017 के बाद से ही यादव वोटों को साधने में जुटी है। जौनपुर सीट से जीते गिरीश यादव को मंत्री बनाया। इटावा के हरनाथ यादव को राज्यसभा सदस्य बनाया। सुभाष यदुवंश को पहले बीजेपी युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया और अब प्रदेश संगठन में जगह दे रखी है। इसके आलावा उन्हें एमएलसी भी बना रखा है। कई जिलों जिला पंचायत और नगर निकाय में जगह दी है।

इस मुहिम के चलते उसने आजमगढ़ लोकसभा चुनाव में लोहा लोहे को काटता है कि तर्ज पर धर्मेंद्र यादव के मुकाबले भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ को उतारा और चुनाव जीत लिया था। मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बना कर भाजपा ने जो बिसात बिछाई है, उसमें अब सपा को पीडीए में मूलवोट बैंक यादव को संभालने के लिए भी खासी मशक्कत करनी होगी।एक अन्य राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव जातिवार जनगणना को लेकर भाजपा सरकार को घेरते आ रहे

यूपी कांग्रेस का नैतिक पार्टी से गठबंधन

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी और नैतिक पार्टी के बीच 2024 चुनाव को लेकर शर्तों के साथ गठबंधन हुआ है। प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और नैतिक पार्टी के अध्यक्ष चंद्र भूषण पांडेय के बीच समझौता हुआ। समझौते में प्रमुख रूप से कहा, शर्तों के अधीन नैतिक पार्टी, कांग्रेस पार्टी की साथी पार्टी के रूप में काम करेगी। यह जानकारी लखनऊ स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में दोनों दलों के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा, 15 तारीख से निकल जा रही कांग्रेस की सहारनपुर से लेकर सीतापुर की यात्रा में नैतिक पार्टी भी शामिल होगी।

विधायकों के सुझाव पर बनेंगी 1142 नई सड़कें: जितिन

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी में विधायकों के प्रस्ताव पर यूपी में नई सड़कों का जाल और पुरानी सड़कों के नवीनीकरण का काम जल्द शुरू हो जाएगा। विधायकों की तरफ से 1142 नई सड़कों का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी को दिया गया था। प्रस्तावों को सूचीबद्ध और शासन स्तर से स्वीकृति के बाद बजट के लिए फाइल नाबार्ड को बढ़ा दी गई है। प्रदेश सरकार ने बीते जून में यह फैसला लिया था कि विधायक अपने क्षेत्र में छह करोड़ रुपये तक की इंटर कनेक्टिविटी सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव दे सकेंगे। करीब 1.5 करोड़ रुपये का प्रस्ताव पहले से बनी सड़कों के पुनर्निर्माण के लिए देने का प्रबंध किया गया था। विधानसभावार सड़कों के प्रस्ताव का देने में जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिला प्रशासन को भी अधिकृत किया गया था। सड़कों के लिए अलग से बजट से अन्य विकास कार्य तेज होंगे।सरकार ने यह कदम उठाकर विधायकों को विधायक निधि का उपयोग अन्य विकास कार्यों में अधिक से अधिक करने का मौका दिया है। पहले विधायकों की निधि का बड़ा हिस्सा सड़क निर्माण के मद में चला जाता था। प्रदेश सरकार के इस फैसले के बाद पीडब्ल्यूडी के पास विधायकों ने अपने क्षेत्र में गांवों, बसावटों व कस्बों को आपस में जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रस्ताव भेजे हैं। प्रस्तावों का परीक्षण मौके पर करने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में 1142 नई सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना पीडब्ल्यूडी ने तैयार कर शासन में विभिन्न विभागों से इसे अनुमोदित कराया। इनमें 250 से अधिक की बसावटों को संपर्क मार्ग से जोड़े जाने के प्रस्ताव भी बड़ी संख्या में हैं।

यह प्रस्ताव बजट के लिए नाबार्ड को भेजा गया है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि जल्द ही नाबार्ड से इन सड़कों के निर्माण के लिए अनुमानित 1615 करोड़ रुपये मिल जाएंगे।

2024 में सुख और समृद्धि लेकर आ रहे श्रीराम

30 हजार करोड़ से ज्यादा की 178 परियोजनाये 2024 में होंगी पूरी
6 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतरने को तैयार
होटल,रेस्त्रा,टूर एंड ट्रैवल सेक्टर में सृजित होंगे ज्यादा रोजगार

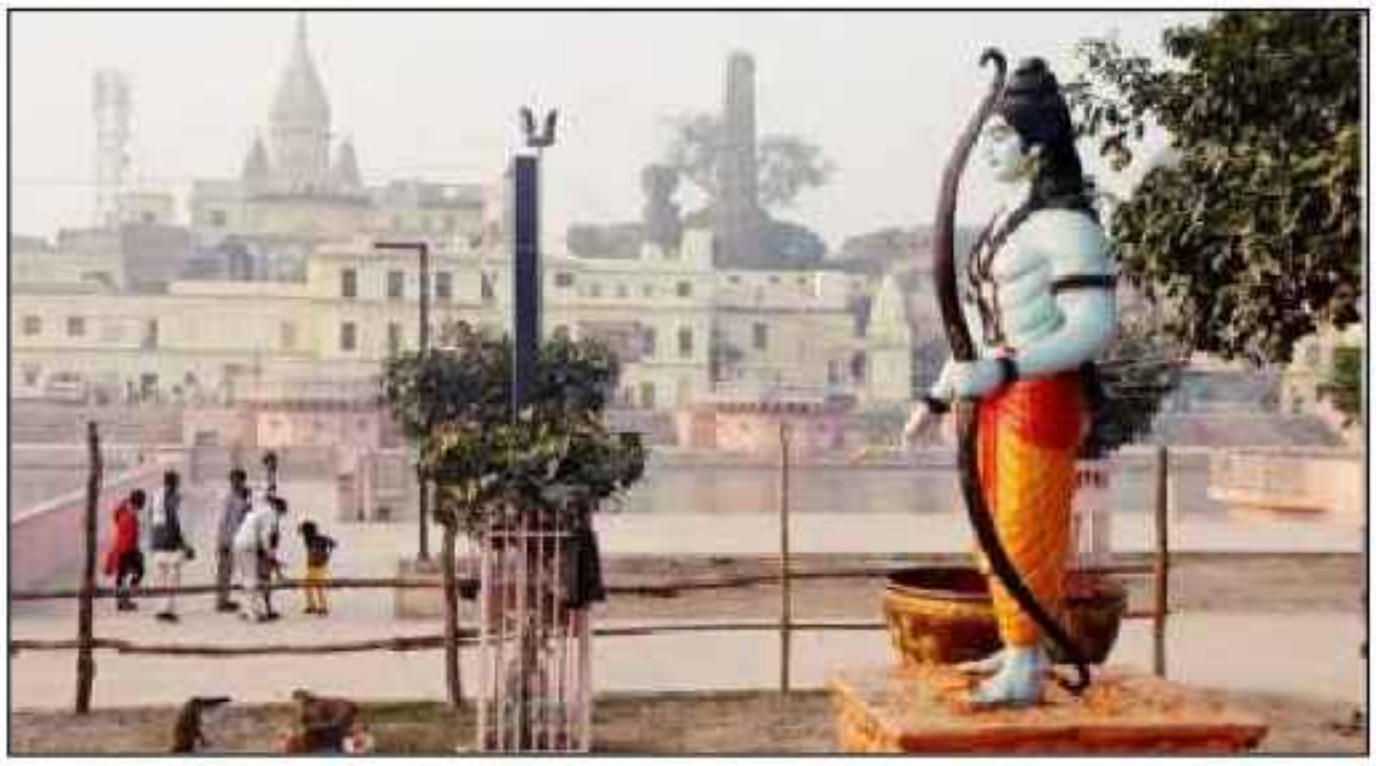

लखनऊ(यूएनएस)।दुनियाभर के सनातनियों को 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार है। जन-जन के आराध्य भगवान श्रीराम 500 साल की प्रतीक्षा, परीक्षा और अगणित बलिदानों के पश्चात अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। इसके साथ ही त्रैल्योक्य न्यारी अयोध्या नगरी सुख-समृद्धि से भी परिपूर्ण होने जा रही है। मोदी-योगी सरकार की ओर से अयोध्या में चल रही 30.5 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं में से अधिकांश 2024 में पूरी हो जाएंगी। वहीं 6 हजार करोड़ से अधिक के निवेश भी अयोध्या में धरातल पर उतरने को बिल्कुल तैयार हैं। ज्यादातर हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवेल-टूरिज्म और हायर एजुकेशन से जुड़ी परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने के साथ 20-30 हजार नये रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में श्रीराममंदिर के उद्घाटन समारोह को श्भूतो न भविष्यतिश् बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। 2024 में जब एक तरफभगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो ये पुण्य वर्ष अयोध्या में कई बड़े निर्माण और बदलावों का भी साल साबित होने जा रहा है। विकास कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है, जिसमें सबसे पहला नाम अयोध्या में बनकर तैयार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। जनवरी में उड़ान शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही जनवरी में ही 50 हजार फुट प्रिंट वाले अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का नया भव्य भवन भी बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा मार्च तक सोलर सिटी भी पूरी तरह आकार ले लेगी। 394 करोड़ से 4 लेन अयोध्या अकबरपुर बसखारी मार्ग, एनएच 27 से रामपथ तक रेलवे समपार, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज, दर्शन नगर के पास रेलवे ओवर ब्रिज, अमानीगंज में मल्टी लेवल पार्किंग, कलेक्ट्रेट के पास स्मार्ट वाहन पार्किंग, पंचकोसी और चौदहकोसी मार्ग पर इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण, परिक्रमा मार्ग पर 25 से ज्यादा पयर्टन स्थलों और कुंडों का विकास, डेकोरेटिव पोल और हेरिटेज लाइटों की स्थापना का कार्य, कौशल्या सदन का निर्माण, मुक्ति वैकुंठ धाम के विकास का कार्य पूरा हो जाएगा। फरवरी में अयोध्या के 7 वार्डों में 24 घंटे जलापूर्ति, सूर्यकुंड के पास आरओबी, 4 लेन धर्म पथ का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मार्च में अयोध्या अकबरपुर मार्ग पर फतेहगंज आरओबी, अयोध्या बिल्हौरघाट 4 लेन सड़क, गुप्तार घाट का सौंदर्यीकरण, नया घाट से लक्ष्मण घाट तक पर्यटन सुविधाओं का विकास, अयोध्या सोलर सिटी का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। अप्रैल में अवध बस स्टैंड के पास आश्रय गृह का निर्माण, नाका बाइपास के पास कल्याण भवन का निर्माण, चार ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। जून में अयोध्या सीवरेज योजना का पार्ट बन पूरा कर लिया जाएगा। जुलाई में 473 करोड़ से पंचकोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। सितंबर में डॉ भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर को पूरा कर लिया जाएगा। अक्टूबर में 1140 करोड़ से चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग का विस्तारीकरण पूरा कर लिया जाएगा। नवंबर-दिसंबर तक अयोध्या में जोनल अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर का निर्माण, अयोध्या नगर निगम और अयोध्या विकास प्राधिकरण के विशाल भवनों का निर्माण कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को चरितार्थ करेगी योगी सरकार

लखनऊ (यूएनएस)। राम कण-कण में हैं। राम जन-जन में हैं। इस भावना को अंगीकृत करने वाली योगी सरकार वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी को भी श्रीराम के आदर्शों व मूल्यों से अवगत करा रही है। 500 वर्षों के पश्चात नव्य अयोध्या सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रूप से और समृद्ध दिखेगी, जब 22 जनवरी 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी के करकमलों से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विरामजान होंगे। इस अवसर को योगी सरकार अद्वितीय, अविस्मरणीय व अलौकिक बनाएगी। एक तरफ जहां देश-विदेश के कलाकार रामायण आधारित रामलीला की प्रस्तुति देंगे तो वहीं लोकपरंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे, मानना है कि लोक परंपराओं में प्रभु श्रीराम विद्यमान हैं। रामोत्सव के लिए नेपाल, कंबोडिया, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि देशों के रामलीला मंडलियों के कलाकारों को आमंत्रित किये जा रहे है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ की मंडली भी श्रीराम के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुतियां देंगी। तुलसी भवन स्मारक स्थित तुलसी मंच पर देश व विदेश की विभिन्न रामलीलाओं का मंचन प्रस्तावित है। रामलीला मंचन के लिए सरकार की तरफसे दो करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी।लोकपरंपराएं समाज में प्रभु श्रीराम के आदर्शों को

अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत बनाए हुए हैं। उनके आदर्श वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी को भी प्रेरणा देती रहेगी। जनवरी में पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु अयोध्या और प्रदेश के अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक, सांस्कृतिक शहरों की यात्रा करेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी है। मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अन्य प्रांतों के श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन का आमंत्रण दे चुके हैं।

जीरो टॉलरेंस अब हो गया है जीरो: अखिलेश

लखनऊ (यूएनएस)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में अपराध थम नहीं रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपराध नियंत्रण के दावे सिर्फजुमले रह गए हैं। यूपी की जनता भय के माहौल में जीने को विवश है। जीरो टॉलरेंस जीरो हो गया है। महिलाओं के अलावा बच्चे भी यौन उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। यह शासन और प्रशासन के लिए शर्म की बात है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि लखनऊ में ही महिलाएं-बच्चियां सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री का एंटी रोमियो स्काएड और गश्ती पुलिस दल वारदातों के समय कहीं दिखाई नहीं देता है। गत सोमवार को एक अधिकारी की बेटी के साथ लखनऊ से बाराबंकी के 20 किलोमीटर रास्ते में दुष्कर्म की घटना हुई, जबकि इस बीच छह थाना क्षेत्र भी पड़ते हैं।आरोपी खुलेआम नशा करते दिखे, उन्होंने युवती को भी जबरन नशीला पदार्थ पिलाया, पर कहीं कोई हलचल नहीं हुई। ऐसे ही बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत महिला खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए के स्टेनो पर परेशान करने की शिकायत की है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में हर चार दिन में एक बच्चा यौन शोषण का शिकार हो रहा है। अपराध की घटनाएं विचलित करने वाली हैं।

डॉ यूके सरकार को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी फैलोशिप 2024 सम्मान

लखनऊ (यूएनएस)। वैज्ञानिक उत्कृष्टता की एक उल्लेखनीय मान्यता में लखनऊ में आईसीएआर-एनबीएफजीआर के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार को 2024 के लिए प्रतिष्ठित एनएएएस फैलोशिप से सम्मानित किया गया है। मत्स्य विज्ञान में उनके अभूतपूर्व काम, विशेष रूप से मछली जैव विविधता की खोज और विशेषता में, उन्हें भारत में कृषि विज्ञान की अग्रणी संस्था राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी से यह सम्मान मिला। भारत में संरक्षण के लिए राज्य मछली की अवधारणा की शुरूआत सहित डॉ. सरकार का अभिनव दृष्टिकोण महत्वपूर्ण रहा है।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।